एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002 : प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003 : धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004 : नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003 : भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016 : विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्रसंकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए-16/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2026–27

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2027**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्यकरते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–004 : नगरीय समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**

अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई–004**

सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2026–2027

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

खण्ड-I

1. नगरीय समाजशास्त्र की प्रकृति एवं विषय-वस्तु की विवेचना कीजिए। नगरीय समाज के अध्ययन में अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ इसके संबंधों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

2. नगरीय समाजशास्त्र में पारिस्थितिकीय (**Ecological**) दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। आक्रमण (**Invasion**), उत्तराधिकार (**Succession**), संकेन्द्रण (**Concentration**) तथा केन्द्रीकरण (**Centralization**) की पारिस्थितिकीय प्रक्रियाओं का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

3. उज्जैन, शाहजहानाबाद तथा कोलकाता के विशेष संदर्भ में भारत के प्राचीन, मध्यकालीन एवं औपनिवेशिक नगरों की सामाजिक-आर्थिक तथा राजनीतिक विशेषताओं की तुलनात्मक विवेचना कीजिए। 20

4. स्वतंत्रता के पश्चात भारत में नगरीकरण की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रतिरूपों का विश्लेषण कीजिए। नगरीय विकास में क्षेत्रीय असमानताओं के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए। 20

5. भारत में नगरीय समाजशास्त्र के विकास का पता लगाएँ। इस विषय के विकास में प्रमुख भारतीय समाजशास्त्रियों के योगदान का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

खण्ड-II

6. महानगर-केंद्रित नगरीय विकास के विकल्प के रूप में 'पश्चिम बंगाल नगरीकरण मॉडल' की चर्चा कीजिए। भारत में सतत् नगरीकरण को प्रोत्साहित करने में इसकी प्रासंगिकता एवं सीमाओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

7. नगरीकरण के परिणामस्वरूप परिवार में निरंतरता एवं परिवर्तन की प्रक्रियाओं का परीक्षण कीजिए। 20

8. आर्थिक उदारीकरण का भारत के नगरीय व्यावसायिक संरचना पर पड़े प्रभाव का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

9. झुग्गी-बस्तियों के प्रबंधन एवं सुधार के प्रमुख उपागमों की चर्चा कीजिए। भारतीय संदर्भ में उनकी प्रभावशीलता का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

10. नगरीय नियोजन के उद्देश्यों की चर्चा कीजिए। समकालीन नगरीय विकास की चुनौतियों के समाधान में इसकी भूमिका का परीक्षण कीजिए। 20